आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 69 | उज्जैन, गुरूवार 30 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

दूध में शक्कर की तरह हर जगह एडजेस्ट होने की कला है भारतीयों में-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतवंशी अपनी परिवार परंपरा से जहां काम करते हैं वहां निष्ठा का भाव रखते हैं। यही कारण है कि वे हर जगह एडजेस्ट हो जाते हैं। एडजेस्ट भी ऐसे जैसे दूध में शक्कर मिल जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चार दिवसीय जापान यात्रा के दूसरे दिन जापान में भारतवंशियों ÷फ्रैन्ड्स ऑफ एम.पी.÷ को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यटन, ऑटो मोबाइल, टायर मेन्यूफैक्चरिंग एवं रेडिमेड गारमेंट के क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। इस अवसर पर जापान में भारत के राजदूत सी.व्ही. जार्ज, एसीएस

मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम भारतवंशी ही सगे संबंधियों को समझ सकते हैं। विदेश प्रवास के दौरान भी आप लोगों को सामने देखकर ऐसा लगता है जैसे हम सगे-संबंधियों के बीच आ गए हैं। हमारे देश में कोई भी उत्सव या समारोह तब तक पूरा नहीं हो सकता जब तक उस समारोह में सगे- संबंधियों की उपस्थित न हो। मैं आपको म.प्र. में फरवरी में होने जा रहे औद्योगिक निवेश के भव्य समारोह जीआईएस के लिये आमंत्रित करने आया हूँ। विदेश में अनजान चेहरों के बीच जब हमवतन दिखाई देते हैं तो भारतीयता की विशेष अनुभूति होती है।

प्राणियों में सद्भाव और विश्व का कल्याण हमारी संस्कृति मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम ÷धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भाव हो और विश्व का कल्याण हो÷ की भावना को सर्वोपरि रखकर काम करते हैं और यही वजह है कि हिन्दुस्तानी आपको हर देश में हर काम को निष्ठा के साथ करता हुआ मिल जाएगा।

गैर-मुस्लिमों को वक्फ बोर्डों में शामिल करने की तैयारी, विपक्षी दल इस विधेयक की कर रहे कड़ी आलोचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संसदीय समिति वक्फ बोर्डों में गैर-मुसलमानों को शामिल करने के सरकार के कदम का समर्थन करने जा रही है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

संयुक्त संसदीय समिति रिपोर्ट एडॉप्ट करेगी- संयुक्त संसदीय समिति बुधवार को अपनी रिपोर्ट एडॉप्ट करने वाली है। समिति शिया मुसलमानों के दो छोटे संप्रदायों- दाऊदी बोहरा और आगा खानी की दलीलों से भी सहमत है कि उनकी अपनी विशिष्ट पहचान है और उनकी स्वीकार्यता भी इसी रूप में होनी चाहिए। उन्होंने खुद को प्रस्तावित कानून के दायरे से बाहर रखने की मांग की थी।

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति का मानना है कि विधेयक का प्रस्ताव राज्य वक्फ बोर्डों का विस्तार कर दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना और शिया, सुन्नी और पिछड़े मुस्लिम समुदायों से व्यापक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना वक्फ प्रबंधन में समावेशिता और विविधता को बढ़ावा देगा।

विपक्षी दल इस विधेयक की कड़ी आलोचना कर रहे- विपक्षी दल इस विधेयक की कड़ी आलोचना कर रहे हैं और जगदंबिका पाल पर पहले से तय सिफारिशों को मनमाने ढंग से मानने और विपक्षी सांसदों की आवाज दबाने का आरोप लगा रहे हैं।

हमारे देश के चुनाव में भारत कर रहा हस्तक्षेप, कनाडा के आरोप पर भारत ने ट्रूडो को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने मंगलवार को कनाडाई आयोग की उस रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें कुछ विदेशी सरकारों पर कनाडा के चुनावों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया था।

विदेश मंत्रालय ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हकीकत यह है कि कनाडा ही लगातार भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में आरोप लगाया कि कनाडा ने अवैध प्रवास और संगठित आपराधिक गतिविधियों के लिए एक माहौल तैयार किया है।

कनाडाई समाचार पत्र द ग्लोब एंड मेल ने रिपोर्ट में कहा था कि कनाडा को भारत सरकार पर संदेह था कि उसने संघीय चुनाव में तीन राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को चोरी छिपे वित्तीय मदद के लिए प्रॉक्सी एजेंटों का इस्तेमाल किया।

सितंबर 2023 में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने न्यायाधीश मैरी-जोस होग को चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप के आरोपों की जांच के लिए आयोग का नेतृत्व करने के लिए नामित किया था।

कनाडाई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, आयोग ने चीन, रूस और अन्य देशों के खिलाफ चुनावों में हस्तक्षेप के आरोपों की जांच की।

ये अत्यंत दुखद घटना है, महाकुंभ में भगदड़ के बाद राष्ट्रपति मुर्मु ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रयागराज के संगम क्षेत्र में मंगलवार रात मची भगदड़ ने देश को झकझोंर दिया। इस घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी चिंता जताई है। एक्स हैंडल पर उन्होंने लिखा, प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ की घटना अत्यंत दुखद है। मैं हताहत हुए श्रद्धालुओं के परिवारजनों के प्रति शोक-संवेदना व्यक्त करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि घायल हुए सभी श्रद्धालु शीघ्र ही स्वस्थ हों।

पीएम मोदी ले रहे पल-पल की जानकारी - इस घटना को लेकर प्रधानमंत्री मोदी लगातार सीएम योगी आदित्यनाथ से बातचीत कर रहे हैं और हालात का जायजा ले रहे हैं। सीएम योगी ने जानकारी दी कि सुबह से चार बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझसे बातचीत की।

पीएम मोदी ने घटना पर शोक प्रकट करते हुए लिखा, प्रयागराज महाकुंभ में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा हुआ है। इस सिलसिले में मैंने मुख्यमंत्री योगी जी से बातचीत की है और मैं लगातार राज्य सरकार के संपर्क में हूं।

मौनी अमावस्या के मौके पर संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ बढ़ गई थी। भीड़ इतनी बढ़ गई कि लोग सो रहे श्रद्धालुओं पर बैरिकेडिंग तोड़कर चढ़ गए।

हां पत्नी को मैंने मारा...पूर्व सैनिक ने कुबूली अपनी वाइफ की हत्या की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना में एक पूर्व सैनिक को अपनी पत्नी हत्या कर शव के टुकड़े को उबालने के मामले में मंगलवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अपराध के बारे में विवरण देते हुए पुलिस ने इस कृत्य को दुर्लभतम और बर्बर प्रकृति का बताया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपित ने इस अपराध को अंजाम देने से पहले अपने बच्चों को एक रिश्तेदार के घर छोड़ दिया था। राचकोंडा के आयुक्त सुधीर बाबू ने पूरे मामले से पर्दा उठाते हुए बताया कि 16 जनवरी को आरोपित का अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ था।

आरोपित 16 जनवरी को सुबह 10 बजे से शाम करीब छह बजे तक हत्या करने से लेकर शव को ठिकाने लगाने तक का काम किया। इस दौरान उसने उसका सिर दीवार पर दे मारा। वो गिर गई। इसके बाद उसने अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी।

शव को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट दिया - हत्या को छिपाने के लिए उसने शव को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट दिया। उसे बाल्टी में रख दिया। फिर उसने वाटर हीटर के जरिए पानी गरम किया। टुकड़ों को उबाला और बाद में सिंगल बर्नर गैस स्टोव पर जला दिया। इसके बाद आरोपित ने पत्थर के रोलर से हड्डियों को पीसकर चूर्ण बना दिया। उस चूर्ण और मांस के छोटे-छोटे टुकड़ों को टॉयलेट में फेंक दिया और कई बार पानी से फ्लश किया।

बची हुई हड्डियों के अवशेषों को घर के कूड़ेदान में रख दिया गया, ताकि बाद में उनका निपटान किया जा सके।

तीन अलग-अलग लोगों के बैग से करीब चार लाख रुपये बरामद, प्रशासन ने किया जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनावी मौसम में कहीं कोई गड़बड़ी नहीं हो, इसके लिए पुलिस जगह जगह गश्त व पिकेट लगाकर वाहनों की तलाशी कर रही है। इस क्रम में नसीरपुर रोड पर पालम थाना पुलिस ने 3.98 लाख रुपये बरामद किए हैं।

दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि पालम थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुधीर गुलिया के नेतृत्व में एएसआई विरेंदर, हेड कांस्टेल कृष्ण व कांस्टेल रूपचंद की टीम नसीरपुर रोड पर मंगलापुरी पिकेट पर तैनात थी।

पिकेट पर जब वाहनों की तलाशी ली जा रही थी, तभी अलग-अलग वाहनों पर सवार तीन लोगों के बैग से नकदी मिली। पूछताछ में किसी ने भी नकदी के बारे में न कोई दस्तावेज और न ही कोई ठोस बात कही।

क्या हरियाणा सरकार मेरे पीने के पानी में जहर मिला सकती है? पीएम मोदी का केजरीवाल पर हमला

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा के चुनावी दंगल में उतर गए। उन्होंने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करतार नगर में जनसभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, अब दिल्ली में एक ही आवाज गूंज रही है- AAP-दा नहीं सहेंगे बदल के रहेंगे।

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के हरियाणा सरकार पर यमुना के पानी को जहरीला बनाने के आरोप पर पीएम मोदी ने दिल्ली के मतदाताओं कहा कि हरियाणा का भेजा हुआ यही पानी दिल्ली में रहने वाला हर कोई पीता है, पिछले 11 साल से ये प्रधानमंत्री भी पीते हैं, सभी न्यायमूर्ति और बाकी सभी सम्मानित लोग भी पीते हैं।

आप-दा ने भारतीयों का अपमान किया- प्रधानमंत्री- पीएम मोदी ने कहा, आप-दा वाले कह रहे हैं कि हरियाणा वाले दिल्ली के पानी में जहर मिलाते हैं। ये सिर्फ हरियाणा का नहीं बल्कि भारतीयों का अपमान है, हमारे संस्कारों का

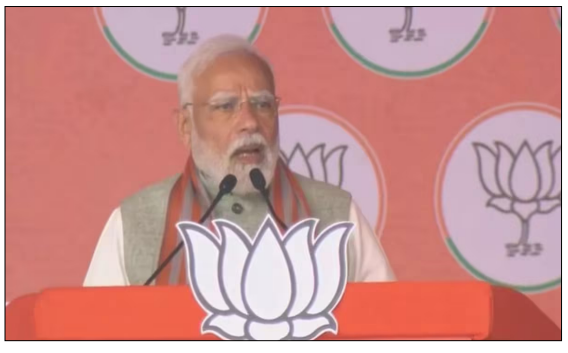

अपमान, हमारे चरित्र का अपमान है। ये वो देश है, जहां पानी पिलाना धर्म माना जाता है। ऐसी ओछी बातें करने वालों को दिल्ली इस बार सबक सिखाएगी। इन आप-दा वालों की लुटिया यमुना में ही डूबेगी।

पीएम के संबोधन की खास बातें- दिल्ली का यह क्षेत्र यमुना किनारे बसा है। बाबा श्याम गिरि भी यहां विराजते हैं। जनसभा का ये दृश्य दिल्ली का मूड बता रहा है। ये दिल्ली के जनादेश के दर्शन करा रहा है।

दिल्ली कह रही है कि आप दा के फर्जी वादे नहीं चलेंगे। आप दा की लूट और झूठ नहीं चलेगा।

दिल्ली एक ऐसी सरकार चाहती है जो गरीबों के लिए घर बनाए। हर घर जल पहुंचाए और टैंकर माफिया से मुक्ति दिलवाए।

बीजेपी की सरकार बनने पर संकल्प पत्र के सारे वादे समय सीमा में पूरे किए जाएंगे। ये मोदी की गारंटी है। मोदी को गारंटी मतलब गारंटी पूरा होने की गारंटी।

विकसित भारत की राजधानी भी मॉडल शहर बने। क्या दिल्ली में आधुनिक रंग रूप नजर आ रहा है? साथियों मुझे जवाब देने की जरूरत नहीं है। दिल्ली वासी अपनी पीड़ा व्यक्त करते हैं।

14 साल कांग्रेस ने राज किया और दिल्लीवासियों ने 11 साल आप दा सरकार को दिए फिर भी समस्या वहीं की वहीं है।

एयर इंडिया विमान विस्फोट के संदिग्ध रिपुदमन सिंह की हत्या के दोषी को उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया के विमान को 1985 में बम से उड़ाने के मामले में बरी किए गए रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या के एक दोषी टैनर फॉक्स को कनाडा की अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने 24 साल के फॉक्स को इस उम्र कैद के दौरान 20 साल तक पैरोल नहीं देने को भी कहा है।

कनाडा में एक कॉन्ट्रैक्ट किलर को मंगलवार (स्थानीय समय) को 1985 के एयर इंडिया बम धमाकों के एक बरी किए गए संदिग्ध की हत्या का दोषी ठहराया गया, जिसमें 331 लोगों की जान चली गई थी।

टैनर फॉक्स को रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई, जिसकी जुलाई 2022 में उसके व्यवसाय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

टैनर फॉक्स और उसके सहयोगी जोस लोपेज़ ने पिछले अक्टूबर में मलिक की दूसरी डिग्री हत्या के लिए दोषी होने की बात स्वीकार की थी।

उन्होंने कबूल किया कि उन्हें पश्चिमी कनाडा के वैंकूवर के एक उपनगर में मलिक की हत्या करने के लिए पैसे दिए गए थे, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्हें पैसे किसने दिए। लोपेज की अगली अदालत में पेशी 6 फरवरी को होनी है।

1985 में हुआ था एयर इंडिया में धमाका- 23 जून 1985 को टोरंटो से मुंबई कनाडा से भारत जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट 182 आयरिश तट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें सवार सभी 329 लोग मारे गए। विमान अपने गंतव्य से सिर्फ 45 मिनट की दूरी पर हवा में ही बिखर गया, कोई चेतावनी या आपातकालीन कॉल जारी नहीं की गई। उड़ान को संचालित करने वाला विमान बोइंग 747-237B था, जिसका पंजीकरण VT-EFO था और जिसका नाम सम्राट कनिष्क था।

इस हमले को 11 सितंबर, 2001 को संयुक्त राज्य अमेरिका में हुए हमलों तक सबसे घातक विमानन आतंकवाद की घटना माना जाता था। विमान में सवार अधिकांश यात्री कनाडाई नागरिक थे, जो भारत में अपने रिश्तेदारों से मिलने आए थे।

इसके साथ ही, जापान के नारिता हवाई अड्डे पर एक और विस्फोट की खबर मिली, जिसमें दो बैगेज संचालकों की मौत हो गई, जो एयर इंडिया के विमान में सामान लाद रहे थे। दोनों सूटकेस बम बाद में वैंकूवर में पाए गए, जहाँ बड़ी संख्या में सिख अप्रवासी रहते हैं। कनाडा सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, माना जाता है कि ये बम विस्फोट कनाडा स्थित सिख अलगाववादियों द्वारा पंजाब के स्वर्ण मंदिर में भारतीय सेना के ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला लेने के लिए किए गए थे। इस घटना के पांच महीने बाद दो संदिग्धों तलविंदर सिंह परमार और इंद्रजीत सिंह रेयात को गिरफ्तार किया गया। माना जा रहा था कि परमार ही इस हमले का मास्टरमाइंड था, लेकिन सबूतों के अभाव में उसके खिलाफ आरोप हटा दिए गए।

कॉनकॉर्ड के जवाब में अमेरिका ने पूरी की अपनी पहली सुपरसोनिक उड़ान, 100 डॉलर में दुनिया की सैर कराएगा यह विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुपरसोनिक उड़ानें जल्द ही वास्तविकता बन सकती हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि अमेरिका में एक नहीं, बल्कि दो ऐसे विमानों का परीक्षण किया जाने वाला है जो सुपरसोनिक स्पीड से उड़ती हैं।

बूम सुपरसोनिक अपने ङ्क्र-1 सुपरसोनिक विमान का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है, वहीं ह्लृ भी अपने ङ्ग-59 विमान का परीक्षण करने की तैयारी कर रहा है। अगर यह दोनों प्रयोग सफल रहते हैं, तो भविष्य में इन्हें हवाई यातायात के लिए उतारा जा सकता है।

कंपनी के XB-1 प्रदर्शनकारी विमान की

सुपरसोनिक उड़ान पहली बार है जब किसी स्वतंत्र रूप से विकसित जेट ने ध्वनि अवरोध को तोड़ा है।

XB-1, जिसने मार्च 2024 में पहली बार हवा में उड़ान भरने के बाद से अब तक 12 सफल परीक्षण उड़ानें पूरी कर ली हैं।

बूम सुपरसोनिक का XB-1 विमान 28 जनवरी को स्थानीय समयानुसार सुबह 7:45 बजे सुपरसोनिक परीक्षण उड़ान के लिए निर्धारित किया गया था। मोजावे एयर एंड स्पेस पोर्ट पर होने वाली इस उड़ान का उद्देश्य साउंड बैरियर (ध्वनि की रफ्तार) को तोड़ना है, जो मैक 1.1 (लगभग 844 मील प्रति घंटे या 1,358 किलोमीटर प्रति घंटे) की गति तक पहुंचेगा। यह प्रदर्शन मार्च 2024 से अब तक इस विमान के 11 सफल परीक्षण उड़ानों के बाद आया है। इस दौरान XB-1 मैक 0.95 की रफ्तार तक पहुंच चुका है।

बूम के मुख्य परीक्षण पायलट ट्रिस्टन गेप्पेटो ब्रांडेनबर्ग द्वारा उड़ाया गया यह विमान, परीक्षण उड़ान के लगभग 12 मिनट बाद 35,000 फीट की ऊंचाई पर मैक 1.122 (652 नॉट्स वास्तविक हवाई गति या 750 मील प्रति घंटा) की गति तक पहुंच गया - जो ध्वनि की गति से लगभग 10% अधिक है।

रूस से सुखोई-35 फाइटर प्लेन खरीदे हैं, ईरान ने पहली बार किया एलान

ईरान ने रूस निर्मित सुखोई-35 लड़ाकू विमान खरीदे हैं। यह दावा सोमवार को एक वरिष्ठ रिवोल्यूशनरी गा?र्ड्स कमांडर ने किया। यह पहली बार है, जब किसी ईरानी अधिकारी ने सुखोई-35 लड़ाकू विमानों की खरीद की पुष्टि की है। खतम-ओल-अनबिया सेंट्रल मुख्यालय के उप समन्वयक ने कहा कि जब भी आवश्यक होता है हम अपनी वायु, थल और नौसेना को मजबूत करने के लिए सैन्य साजो-सामान की खरीद करते हैं। अभी सैन्य साजो-सामान का उत्पादन भी तेज कर दिया गया है।

चंद सेकेंड में आग के गोले में बदल गया F-35 फाइटर जेट, बाल-बाल बची पायलट की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की सबसे खतरनाक और महंगी लड़ाकू विमान स्न-35 दुर्घटना का शिकार बन गया। मंगलवार को अलास्का के एइलसन एयर फोर्स बेस पर प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान अमेरिकी वायुसेना का एक लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

दुर्घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि आसमान से जमीन पर गिरने के बाद आसमान में आग का गुबार उठता है।

बाल-बाल बची पायलट की जान - समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, 354वीं फाइटर विंग के कमांडर, अमेरिकी वायुसेना के कर्नल पॉल टाउनसेंड ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पायलट को ÷तकनीकी खराबी÷ का अनुभव हुआ, जिसके बाद वह विमान से बाहर निकल गए। पायलट सुरक्षित है और उसे बैसेट आर्मी अस्पताल ले जाया गया है।

यह पहली घटना नहीं है जब अमेरिका में स्न-35 विमान बीच हवा में दुर्घटनाग्रस्त हुआ हो। मई 2024 में टेक्सास से लॉस एंजिल्स के पास एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस जा रहा स्न-35 फाइटर जेट विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जब पायलट न्यू मैक्सिको में ईंधन भरने के लिए रुका था। पायलट को गंभीर चोटों के कारण अस्पताल ले जाया गया था। साउथ कैरोलिना में सितंबर 2023 में भी यह लड़ाकू विमान क्रैश हो गया था।

सीरिया में पीछे नहीं हटेगी इजरायल की सेना; उत्तरी गाजा में अपने घरों की तरफ लौटने लगे लोग

सीरिया में बशर अल-असद के पतन के बाद दक्षिणी सीरिया में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र पर कब्जा करने वाली इजरायल की सेना माउंट हरमोन पर अनिश्चित काल तक तैनात रहेगी। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने मंगलवार को इस इलाके के दौरे के बाद यह बात कही।

काट्स ने कहा कि इजरायल शत्रुतापूर्ण ताकतों को दक्षिणी सीरिया में स्थापित होने की अनुमति नहीं देगा। सीरिया-लेबनान सीमा पर माउंट हरमोन स्थित है, जो रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। इजरायल का गोलान हाइट्स पर भी कब्जा है, जिसे 1967 के पश्चिम एशियाई युद्ध में सीरिया से कब्जा कर लिया था।

उत्तरी गाजा में लौटने लगे लोग- युद्धविराम के तहत इजरायल की ओर से 15 महीने बाद फलस्तीनी नागरिकों को उत्तरी गाजा की ओर लौटने की अनुमति मिली। इसके बाद इस क्षेत्र में अपने घरों को लौटने के लिए लोगों का हुजूम निकल पड़ा। युद्ध के दौरान उत्तरी गाजा से लगभग 650,000 लोग विस्थापित हुए थे।

बड़ी संख्या में लोग इस इलाके में लौट आए हैं। युद्ध में बहुतों के घर तबाह हो गए हैं तो कुछ के क्षतिग्रस्त हुए हैं। इस बीच, इजरायल ने अपने यहां यूएनआरडब्ल्यूए पर प्रतिबंध लगा दिया है। संयुक्त राष्ट्र की यह एजेंसी फलस्तीनियों के लिए गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक में काम करती है।

अमेरिका में लिंग परिवर्तन पर लगा बैन, आखिर ट्रंप ने क्यों लिया ये फैसला; बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में अब लिंग परिवर्तन कराना आसान नहीं होगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिंग परिवर्तन कानून पर साइन कर दिया है। ट्रंप के आदेश के मुताबिक, अमेरिका में 19 वर्ष से कम आयु के लोग लिंग परिवर्तन नहीं करवा सकेंगे। इस पर प्रतिबंध लगाने के मकसद से मंगलवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर साइन किए।

ट्रंप ने एक बयान में कहा, अमेरिका की नीति है कि वह किसी बच्चे के एक लिंग से दूसरे लिंग में तथाकथित 'परिवर्तन' को वित्तपोषित, प्रायोजित, बढ़ावा, सहायता या समर्थन नहीं देगा और वह इन विनाशकारी तथा जीवन बदलने वाली प्रक्रियाओं को प्रतिबंधित या सीमित करने वाले सभी कानूनों को सख्ती से लागू करेगा।''

हाल ही में ट्रांसजेंडर को लेकर भी ट्रंप ने एक बड़ा फैसला लिया है। ट्रंप ने सोमवार को पेंटागन को एक समीक्षा करने का निर्देश दिया, जिससे ट्रांसजेंडर को सैन्य सेवा से प्रतिबंधित किया जा सकता है। इससे पहले ट्रंप ने एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए था, जिसमें अमेरिका में सरकारी कागजातों से ट्रांसजेंडर का ऑप्शन ही हटा दिया था

पेरिस के म्यूजियम में घूमने के लिए देनी होगी मोटी फीस, आखिर राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने क्यों उठाया ये कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की थी मोनालिसा को लूर म्यूजियम के अंदर अपना एक डेडिकेटेड रूम मिलेगा। उन्होंने कहा था कि म्यूजियम का रिनोवेशन और विस्तार किया जाएगा। लेकिन इसे पूरा होने में कई साल लगेंगे। वहीं अब उन्होंने कहा है, गैर-यूरोपीय संघ में से जो भी वहां जाएगा उसे बहुत ज्यादा फीस देनी होगी। बता दें कि फिलहाल ये म्यूजियम भीड़भाड़ और पुरानी सुविधाओं से ग्रस्त है।

मैक्रों का एलान लौवर के राष्ट्रपति लारेंस डेस कार्स की तरफ से पिछले हफ्ते की चेतावनी के बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि सदियों पुरानी इमारत बहुत ही खराब स्थिति में है और पानी के रिसाव, विफल बुनियादी ढांचे और तापमान में उतार-चढ़ाव पर अलार्म उठाया था जो कला के कार्यों के संरक्षण को खतरे में डालता है।

म्यूजियम की स्थिति काफी खराब

लूर की निदेशक लॉरेंस ने इस महीने की शुरुआत में कल्चर मिनिस्टर राचिदा दाती को कई चिंताएं व्यक्त करते हुए एक नोट भेजा था, जिसमें कहा गया था कि म्यूजियम के प्रयोग से बाहर होने का खतरा है। फ्रांसीसी अखबार ले पेरिसियन द्वारा जारी किए गए दस्तावेज के अनुसार, उन्होंने पानी के रिसाव, तापमान में वैरिएशन और अन्य मुद्दों के कारण इमारत के धीरे-धीरे खराब होने के बारे में चेतावनी दी थी, जिससे आर्टवर्क के संरक्षण पर खतरा पैदा हो रहा था।

म्यूजियम में शौचालय की कमी का भी हुआ जिक्र- कल्चर मिनिस्टर राचिदा दाती ने कहा था कि म्यूजियम के एंट्रेंस पर मौजूद पिरामिड, जिसका अनावरण 1989 में किया गया था, अब पुराना लगता है।

डेस कार्स ने जोर देकर कहा कि यह जगह ठंड और गर्मी से सुरक्षित नहीं है और यहां शोर काफी बढ़ जाता है, जिससे आम लोगों और कर्मचारियों दोनों को असुविधा होती है।

मैसूरु भूमि घोटाला मामले को लेकर भाजपा ने कर्नाटक सरकार पर किया हमला, सिद्दरमैया बोले- मुझे विश्वास है कि न्याय मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने मंगलवार को कहा कि उन्हें मैसुरु जमीन घोटाले में कोर्ट से न्याय मिलने का भरोसा है। इस मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और उनकी पत्नी बीएम पार्वती आरोपित हैं।

कर्नाटक हाई कोर्ट की धारवाड़ पीठ ने मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले की सीबीआइ से जांच की मांग वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

इस घटनाक्रम को लेकर किसी तरह की चिंता के बारे में पूछे जाने पर सिद्दरमैया ने कहा कि मुझे चिंता क्यों होनी चाहिए? मुझे कैसे पता चलेगा कि न्यायाधीश क्या फैसला सुनाएंगे? मुझे विश्वास है कि मुझे न्याय मिलेगा। ईडी द्वारा उनकी पत्नी पार्वती को जारी की गई नोटिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हाई कोर्ट ने नोटिस पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि ईडी द्वारा जारी नोटिस और पूरा मामला राजनीति से प्रेरित है।

वहीं, कर्नाटक के शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश ने मंगलवार को मुडा घोटाले में अपनी संलिप्तता से इनकार किया और कहा कि उनकी और मुख्यमंत्री सिद्दरमैया की पत्नी की इस मामले में कोई भूमिका नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट जनता की अदालत, प्रधान न्यायाधीश बोले- मुकदमेबाजी की बढ़ती लागत न्याय में बाधा

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट जनता की अदालत है। यह 1.4 अरब लोगों की आकांक्षाओं का प्रतीक है।

सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर बैठी रस्मी पीठ में जस्टिस खन्ना ने कहा, हमारे सुप्रीम कोर्ट को वैश्विक मंच पर अलग पहचान मिलती है। इसका कारण यह है कि यह जनता की अदालत है। संविधान लागू होने के बाद सुप्रीम कोर्ट अस्तित्व में आया। 28 जनवरी, 1950 को इसका उद्घाटन किया गया। शुरुआत में यह पुराने संसद भवन से कार्य करता था। 1958 में यह तिलक मार्ग स्थित वर्तमान भवन में स्थानांतरित हो गया। जस्टिस खन्ना ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट जीवंत संस्था है। यह हमारे लोकतंत्र के अंतरात्मा के प्रति उत्तरदायी है। 75 वर्षों में देश की जनता की न्याय तक पहुंच सुलभ हुई है, लेकिन उन्होंने तीन चुनौतियों पर ध्यान देने की जरूरत जताई। पहली चुनौती लंबित मामलों का बोझ जो न्याय में देरी का कारण बनता है। दूसरी चुनौती मुकदमेबाजी की बढ़ती लागत है जो न्याय तक पहुंच को खतरे में डालती है। तीसरी, और शायद सबसे बुनियादी चुनौती यह है कि जहां और जब भी झूठ का सहारा लिया जाता है।

भारत में 55 प्रतिशत ट्रक ड्राइवरों की दृष्टि कमजोर, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज भी बढ़ी हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईआईटी दिल्ली की एक रिपोर्ट में यह सामने आया है कि भारत में करीब 55.1 प्रतिशत ट्रक ड्राइवरों की दृष्टि कमजोर है, जबकि 53.3 प्रतिशत को दूर की दृष्टि में सुधार की आवश्यकता है। 46.7 प्रतिशत को निकट की दृष्टि के उपचार की आवश्यकता है।

इतना ही नहीं, करीब 44.3 प्रतिशत ड्राइवरों में बाडी मास इंडेक्स (बीएमआइ) सीमा रेखा या उससे ऊपर है। 57.4 प्रतिशत में ब्लड प्रेशर का स्तर बढ़ा हुआ है और 18.4 प्रतिशत में डायबिटीज बढ़ी दिखी है।

आईआईटी दिल्ली ने फोरसाइट फाउंडेशन के सहयोग से उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु में कुल 50 हजार ट्रक ड्राइवरों की स्क्रीनिंग की। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 33.9 प्रतिशत ड्राइवरों ने मध्यम तनाव की सूचना दी, जबकि 2.9 प्रतिशत में तनाव का स्तर उच्च पाया गया, जिससे मानसिक स्वास्थ्य सहायता की आवश्यकता पर बल मिलता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रक भारत के लॉजिस्टिक क्षेत्र की रीढ़ हैं, जो देश भर के क्षेत्रों को जोड़ते हैं। भारत में ट्रक ड्राइवरों को कई चुनौतियों और कठिन जीवनशैली का सामना करना पड़ता है। मुख्य मुद्दों में लंबे समय तक काम करना, अनियमित शिफ्ट, परिवार से लंबे समय तक दूर रहना और विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं शामिल हैं।

अमेरिका के डब्ल्यूएचओ से बाहर होने का भारत पर असर नहीं पड़ेगा, नड्डा बोले- स्वास्थ्य एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका के विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से बाहर होने की घोषणा का भारत में इस वैश्विक एजेंसी के साथ चल रही परियोजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

भारत डब्ल्यूएचओ के प्रमुख योगदानकर्ताओं में से एक - राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत पिछले 10 वर्षों में हुई प्रगति पर एक प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान नड्डा ने कहा कि हमारी परियोजनाएं और अभियान जारी रहेंगे। जहां तक स्वास्थ्य का सवाल है तो हम किसी पर निर्भर नहीं हैं। कई परियोजनाएं हैं जहां डब्ल्यूएचओ हमारे साथ साझेदारी करता है और इसमें कोई बाधा नहीं आएगी। भारत डब्ल्यूएचओ के प्रमुख योगदानकर्ताओं में से एक है।

एनएचएम के तहत पिछले 10 वर्षों में हुई उपलब्धियों को गिनाते हुए नड्डा ने कहा कि कुछ नई पहलें जैसे राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया मिशन और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम 2014 के बाद जोड़ी गई जबकि कई अन्य पहलों को फिर से शुरू किया गया है जैसे राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, मिशन इंद्रधनुष आदि।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र है और इसमें कभी वित्तीय कमी आड़े नहीं आई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत केंद्रीय अनुदान में 2014 से 185 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने कई बड़े फैसले लिए हैं जिनमें एक फैसला विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ काम बंद करना है। अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों के कर्मचारियों को सोमवार को ट्रंप ऑफिस द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ सभी तरह के काम बंद करने का आदेश दिया गया है और डब्ल्यूएचओ से अपने कर्मचारी वापस बुलाने को भी कहा गया है।

पहले नहीं देखा होगा ऐसा दृश्य..., GSLV-एफ 15 रॉकेट लॉन्च, ISRO ने रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने आज अपने ऐतिहासिक 100वें मिशन की सफल लॉन्चिंग की। इस मिशन में एक नेविगेशन सैटेलाइट को जीएसएलवी रॉकेट पर लॉन्च किया गया। कुछ घंटों बाद, इसरो ने एनवीएस-02 के लॉन्च के दौरान जीएसएलवी-एफ15 से एक मिनट लंबा ऑनबोर्ड फुटेज साझा किया।

यह मिशन अंतरिक्ष एजेंसी के नए अध्यक्ष वी नारायणन के लिए पहला मिशन था। ढ्रस्त्रह ने इसको लेकर एक्स पर भी पोस्ट किया।

एक्स पर पोस्ट किया गया, ऐसा सीन पहले नहीं देखा होगा! भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम लगातार प्रेरित कर रहा है। 6 बार हुआ फेल

अब तक हुए 16 लॉन्च में से ये रॉकेट 6 बार असफल हुआ, जो कि 37 प्रतिशत की बड़ी विफलता दर है। इसकी तुलना में, भारत के लेटेस्ट लॉन्च व्हीकल मार्क-3, जिसे बाहुबली रॉकेट के नाम से भी जाना जाता है की सफलता दर 100 प्रतिशत है। यह भी उसी परिवार का एक रॉकेट है जहां भारत ने क्रायोजेनिक इंजन बनाने में महारत हासिल करने का अपना कौशल दिखाया था, एक ऐसी तकनीक है जिसमें देश को महारत हासिल करने में दो दशक लग गए, क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका के दबाव में रूस ने भारत को इसकी टेक्नॉलिजी ट्रांसफर से इनकार कर दिया था।

श्रीहरिकोटा से 100वां मिशन किया लॉन्च- जीएसएलवी-एफ15 जीएसएलवी की 17वीं उड़ान और स्वदेशी क्रायो चरण के साथ ग्यारहवीं उड़ान है।यह स्वदेशी क्रायोजेनिक फेज के साथ जीएसएलवी की आठवीं परिचालन उड़ान और स्पेसपोर्ट श्रीहरिकोटा से 100वां लॉन्च था।

जादू टोने का शक और परिवार का सफाया, केरल के डबल मर्डर की कहानी सुन कांप जाएगी रूह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के पलक्कड़ जिले के एनमारा शहर से एक दोहरे हत्याकांड का मामला सामने आया है। स्थानीय निवासी 55 साल के सुधाकरन और उनकी 75 साल की मां लक्ष्मी की सोमवार को उनके घर पर बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। आरोपी उनका पड़ोसी चेंथमारा है, जो पांच साल पहले सुधाकरन की पत्नी सजिता की हत्या के मामले में जमानत पर बाहर था।

पुलिस ने 36 घंटे की तलाश के बाद चेंथमारा को गिरफ्तार कर लिया है। इस दिल दहला देने वाले दोहरे हत्याकांड पर लोगों के आक्रोश के कारण पुलिस स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया और पुलिस को उनसे निपटने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल करना पड़ा है।

एक परिवार खत्म हो गया- सुधाकरन की बेटियां अखिला और अथुल्या हत्या के भयानक कृत्यों में पांच साल के अंदर अपने माता-पिता को खोने के बाद गमगीन हैं।

2019 में, चेंथमारा ने कथित तौर पर अपनी मां सजिथा की हत्या कर दी। कुछ सालों तक जेल में रहने के बाद, वह जमानत पर बाहर आया और नेनमारा में अपने घर लौट आया।

स्थानीय निवासियों और सुधाकरन की बेटियों ने आरोप लगाया है कि उन्होंने पुलिस से चेंथमारा को पड़ोस से हटाने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

58 साल के व्यक्ति ने कथित तौर पर सुधाकरन और उसकी मां को उनके घर में चाकू मार दिया। अखिला और अथुल्या ने चेंथमारा को फांसी पर लटकाने की मांग की है। उसने 2019 में हमारी मां की हत्या कर दी और जेल में था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

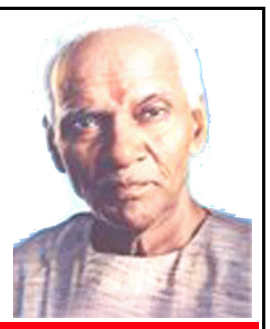

विक्रम संवत 2079 माघ शुक्ल प्रतिपदा

संपादकीय

भारत आदि अनादि काल से हस्तलिखित व प्रिंट साहित्य का गढ़ रहा है....

भारत आदि अनादि काल से हस्तलिखित व प्रिंट साहित्य का गढ़ रहा है। हम अगर भारत के इतिहास की गहराई में जाएं तो हमें रामायण, भागवत गीता सहित अनेक भाषाओं के अनेकों साहित्य ग्रंथ के रूप में अनमोल मोती मिलेंगे जो हमारी धरोहर है,हमारी सभ्यता,संस्कृति, संस्कार के प्रतीक हैं हम भारतीयों ने पीढ़ियों से इस साहित्य को संजोकर रखे हैं और आगे भी हम अगली पीढ़ियों के लिए संजोकर रखेंगे।आज अगर हम वर्तमान डिजिटल युग में हैं तो हमें इसका आधारभूत सहारा मिला है, अपने साहित्य को सुरक्षा से संरक्षित करने का, क्योंकि हस्तलिखित पौराणिक साहित्य की भी एक सीमा होती है और हो सकता था आगे के सैकड़ों हजारों सालों में यह विलुप्तता के कागार पर होता,परंतु डिजिटल क्रांति ने इसे अब सुरक्षित रखना संभव बना दिया है। अब हमें यकीन है हो चला है कि हमारा आदि अनादि काल का भारतीय साहित्य पूर्णत सुरक्षित रहेगा। परंतु इस डिजिटल युग में प्रिंट मीडिया की विलुप्तता के रूप में हमें भारी कीमत चुकानी पड़ रही है, क्योंकि भारत की धरोहर कहे जाने वाली प्रिंट मीडिया अब विलुप्तता की कगार पर हैक्योंकि करीब हर समाचार संस्थान आज वित्तीय क्राइसिस से जूझ रहा है परिणामतःअनेक मासिकपाशिक व साप्ताहिक समाचार पत्र बंद हो गए हैं, कई दैनिक समाचार पत्र भी बंद हो चुके हैं तो कई बंद होने की कगार पर है, इस विषय पर आर्टिकल लिखने को मैंने इसलिए चुना क्योंकि 29 जनवरी 2025 को भारतीय समाचार पत्र दिवस है,तो वहीं 1 फ़रवरी 2025 को भारत की वित्त मंत्री बजट पेश करेंगी इसलिए इसे एक-दो दिन पहले प्रकाशित करना जरूरी है,ताकि इस आर्टिकल के माध्यम से मैं निवेदन माननीय वित्तमंत्री तक पहुंचेकि प्रिंट मीडिया के लिए कुछ आर्थिक पैकेज की घोषणा के लिए फंड का एलोकेशन किया जाए। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारीके सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, बजट 2025 से प्रिंट मीडिया को संजीवनी रूपी पैकेज का बेसब्री से इंतजार!

साथियों बात अगर हम 29 जनवरी 2025 को भारतीय समाचार पत्र दिवस की करें तो, हर साल हम देश के पहले मुद्रित समाचार पत्र के जन्म की याद में भारतीय समाचार पत्र दिवस मनाते हैं ।यह अंग्रेजी साप्ताहिक हिकीज बंगाल गजट था, जिसे 29 जनवरी, 1780 को एक आयरिश व्यक्ति ने शुरू किया था। इस दिन का उद्देश्य समाचार पत्रों को बढ़ावा देना और लोगों को हर दिन समाचार पत्र उठाकर पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। हिकी का बंगाल गजट ब्रिटिश शासन के दौरान समाचार और राय लाने के लिए जाना जाता था। इसने तत्कालीन गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स के प्रशासन की कड़ी आलोचना की और यह भारत में अपनी पत्रकारिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई के लिए महत्वपूर्ण था। यह साप्ताहिक प्रकाशित समाचार पत्र आम आदमी को प्रशासन और सत्ता में बैठे लोगों के करीब लाने की दिशा में एक बड़ा कदम था।

साथियों बात अगर आम आनें वाले बजट 2025 की करें तो इसमें प्रिंट मीडिया के लिए कुछ शासकीय सहयोग की व्यवस्था का बजट करना अपेशित है, क्योंकि कोरोना काल से ही पत्रकारों, संस्थान से जुड़े कर्मचारियों को वित्तीय समस्या की भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है और शासन प्रशासन द्वारा मामूली राहत की घोषणा पत्रकारों के लिए की गई थी परंतु कोई इंसेंटिव या पैकेज नहीं दिया इसपर भी शासन से निवेदन है कि प्रिंट मीडिया कर्मचारियों के लिए बजट में एलोकेशन कर कोई राहत पैकेज और प्रिंट मीडिया संस्थानों को भी वित्तीय सहायता राहतकोष का निर्माण करना होगा।

महात्मा गाँधी

महात्मा गाँधी को ब्रिटिश शासन के ख़िलाफ़ भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का नेता और राष्ट्रपिता माना जाता है। इनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी था। राजनीतिक और सामाजिक प्रगति की प्राप्ति हेतु अपने अहिंसक विरोध के सिद्धांत के लिए उन्हें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हुई। मोहनदास करमचंद गाँधी भारत एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राजनीतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। साबरमती आश्रम से उनका अटूट रिश्ता था। इस आश्रम से महात्मा गाँधी आजीवन जुड़े रहे, इसीलिए उन्हें साबरमती का संत की उपाधि भी मिली।

जीवन परिचय

महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्तूबर 1869 ई. को गुजरात के पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ था। उनके माता-पिता कट्टर हिन्दू थे। इनके पिता का नाम करमचंद गाँधी था। मोहनदास की माता का नाम पुतलीबाई था जो करमचंद गाँधी जी की चौथी पत्नी थीं। मोहनदास अपने पिता की चौथी पत्नी की अन्तिम संतान थे। उनके पिता करमचंद (कबा गाँधी) पहले ब्रिटिश शासन के तहत पश्चिमी भारत के गुजरात राज्य में एक छोटी-सी रियासत की राजधानी पोरबंदर के दीवान थे और बाद में क्रमशः राजकोट (काठियावाड़) और वांकानेर में दीवान रहे। करमचंद गाँधी ने बहुत अधिक औपचारिक शिक्षा तो प्राप्त नहीं की थी, लेकिन वह एक कुशल प्रशासक थे और उन्हें सनकी राजकुमारों, उनकी दुःखी प्रजा तथा सत्तासीन कट्टर ब्रिटिश राजनीतिक अधिकारियों के बीच अपना रास्ता निकालना आता था।

पुस्तक माई एक्सपेरिमेंट विथ ट्रुथ के लेखक महात्मा गाँधी थे। उन्होंने इस पुस्तक को सत्य के प्रयोग के नाम से मूल रूप से अपनी मातृभाषा गुजराती में लिखा था। यह गांधीजी की आत्मकथा के रूप में प्रसिद्ध है। इस पुस्तक का अनुवाद महादेव देसाई ने अंग्रेज़ी में किया था। गांधीजी ने इस किताब में अपने जन्म से लेकर 1921 तक की घटनाओं का जिक्र किया है। बाद में इन सारी घटनाओं को गांधीजी के अखबार नवजीवन में 1925 से 1929 के बीच प्रकाशित किया गया।

शिक्षा

1887 में मोहनदास ने जैसे-तैसे बंबई यूनिवर्सिटी की मैट्रिक की परीक्षा पास की और भावनगर स्थित सामलदास कॉलेज में दाख़िला लिया। अचानक गुजराती से अंग्रेज़ी भाषा में जाने से उन्हें व्याख्यानों को समझने में कुछ दिक्कत होने लगी। इस बीच उनके परिवार में उनके भविष्य को लेकर चर्चा चल रही थी। अगर निर्णय उन पर छोड़ा जाता, तो वह डॉक्टर बनना चाहते थे। लेकिन वैष्णव परिवार में चीरफ़ाड़ के ख़िलाफ़ पूर्वाग्रह के अलावा यह भी स्पष्ट था कि यदि उन्हें गुजरात के किसी राजघराने में उच्च पद प्राप्त करने की पारिवारिक परम्परा निभानी है, तो उन्हें बैरिस्टर बनना पड़ेगा। इसका अर्थ था इंग्लैंड यात्रा और गाँधी ने, जिनका सामलदास कॉलेज में ख़ास मन नहीं लग रहा था, इस प्रस्ताव को सहर्ष ही स्वीकार कर लिया। उनके युवा मन में इंग्लैंड की छवि दार्शनिकों और कवियों की भूमि, सम्पूर्ण सभ्यता के केन्द्र के रूप में थी। सितंबर 1888 में वह पानी के जहाज़ पर सवार हुए। वहाँ पहुँचने के 10 दिन बाद वह लंदन के चार क़ानून महाविद्यालय में से एक इनर टेंपल में दाख़िल हो गए।

अफ़्रीका में गाँधी

डरबन न्यायालय में यूरोपीय मजिस्ट्रेट ने उन्हें पगड़ी उतारने के लिए कहा, उन्होंने इन्कार कर दिया और न्यायालय से बाहर चले गए। कुछ दिनों के बाद प्रिटोरिया जाते समय उन्हें रेलवे के प्रथम श्रेणी के डिब्बे से बाहर फेंक दिया गया और उन्होंने स्टेशन पर ठिठुरते हुए रात बिताई। यात्रा के अगले चरण में उन्हें एक घोड़ागाड़ी के चालक से पिटना पड़ा, क्योंकि यूरोपीय यात्री को जगह देकर पायदान पर यात्रा करने से उन्होंने इन्कार कर दिया था, और अन्ततः सिर्फ़ यूरोपीय लोगों के लिए सुरक्षित होटलों में उनके जाने पर रोक लगा दी गई। नटाल में भारतीय व्यापारियों और श्रमिकों के लिए ये अपमान दैनिक जीवन का हिस्सा था। जो नया था, वह गाँधी का अनुभव न होकर उनकी प्रतिक्रिया थी। अब तक वह हठधर्मिता और उग्रता के पक्ष में नहीं थे, लेकिन जब उन्हें अनपेक्षित अपमानों से गुज़रना पड़ा, तो उनमें कुछ बदलाव आया।

सत्याग्रह

1906 में टांसवाल सरकार ने दक्षिण अफ़्रीका की भारतीय जनता के पंजीकरण के लिए विशेष रूप से अपमानजनक अध्यादेश जारी किया। भारतीयों ने सितंबर 1906 में जोहेन्सबर्ग में गाँधी के नेतृत्व में एक विरोध जनसभा का आयोजन किया और इस अध्यादेश के उल्लंघन तथा इसके परिणामस्वरूप दंड भुगतने की शपथ ली। इस प्रकार सत्याग्रह का जन्म हुआ, जो वेदना पहुँचाने के बजाय उन्हें झेलने, विद्वेषहीन प्रतिरोध करने और बिना हिंसा के उससे लड़ने की नई तकनीक थी।

धार्मिक खोज

गाँधी जी की धार्मिक खोज उनकी माता, पोरबंदर तथा राजकोट स्थित घर के प्रभाव से बचपन में ही शुरू हो गई थी। लेकिन दक्षिण अफ़्रीका पहुँचने पर इसे काफ़ी बल मिला। वह ईसाई धर्म पर टॉल्सटाय के लेखन पर मुग्ध थे। उन्होंने क़ुरान के अनुवाद का अध्ययन किया और हिन्दू अभिलेखों तथा दर्शन में डुबकियाँ लगाईं। सापेक्षिक कर्म के अध्ययन, विद्वानों के साथ बातचीत और धर्मशास्त्रीय कृतियों के निजी अध्ययन से वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि सभी धर्म सत्य हैं और फिर भी हर एक धर्म अपूर्ण है। क्योंकि कभी-कभी उनकी व्याख्या स्तरहीन बुद्धि संकीर्ण हृदय से की गई है और अक्सर दुर्व्याख्या हुई है। भगवदगीता, जिसका गाँधी ने पहली बार इंग्लैंड में अध्ययन किया था, उनका आध्यात्मिक शब्दकोश बन गया और सम्भवतः उनके जीवन पर इसी का सबसे अधिक प्रभाव पड़ा। गीता में उल्लिखित संस्कृत के दो शब्दों ने उन्हें सबसे ज़्यादा आकर्षित किया। एक था अपरिग्रह (त्याग), जिसका अर्थ है, मनुष्य को अपने आध्यात्मिक जीवन को बाधित करने वाली भौतिक वस्तुओं का त्याग कर देना चाहिए और उसे धन-सम्पत्ति के बंधनों से मुक्त हो जाना चाहिए। दूसरा शब्द है समभाव (समान भाव), जिसने उन्हें दुःख या सुख, जीत या हार, सबमें अडिग रहना तथा सफलता की आशा या असफलता के भय के बिना काम करना सिखाया।

हिन्द स्वराज

हिन्द स्वराज महात्मा गाँधी द्वारा रचित पुस्तक है। मूल रचना सन 1909 में गुजराती में थी। यह लगभग तीस हजार शब्दों की लघु पुस्तिका है, जिसे गाँधीजी ने अपनी इंग्लैण्ड से दक्षिण अफ्रीका की यात्रा के समय पानी के जहाज़ में लिखा। यह इण्डियन ओपिनिअन में सबसे पहले प्रकाशित हुई थी, जिसे भारत में अंग्रेज़ों ने यह कहते हुए प्रतिबन्धित कर दिया था कि इसमें राजद्रोह-घोषित सामग्री है। इस पर गांधीजी ने इसका अंग्रेज़ी अनुवाद भी निकाला ताकि बताया जा सके कि इसकी सामग्री राजद्रोहात्मक नहीं है। अन्ततः 21 दिसम्बर सन 1938 को इससे प्रतिबन्ध हटा लिया गया। हिन्द स्वराज का हिंदी और संस्कृत सहित कई भाषाओं में अनुवाद उपलब्ध है।

जन्म तथा पारिवारिक परिचय

महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्तूबर, 1869 ई. को गुजरात के पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ था। उनके माता-पिता कट्टर हिन्दू थे। इनके पिता का नाम करमचंद गाँधी था। मोहनदास की माता का नाम पुतलीबाई था, जो करमचंद गाँधी जी की चौथी पत्नी थीं। मोहनदास अपने पिता की चौथी पत्नी की अन्तिम संतान थे। उनके पिता करमचंद (कबा गाँधी) पहले ब्रिटिश शासन के तहत पश्चिमी भारत के गुजरात राज्य में एक छोटी-सी रियासत की राजधानी पोरबंदर के दीवान थे और बाद में क्रमशः राजकोट (काठियावाड़) और वांकानेर में दीवान रहे। करमचंद गाँधी ने बहुत अधिक औपचारिक शिक्षा तो प्राप्त नहीं की थी, लेकिन वह एक कुशल प्रशासक थे और उन्हें सनकी राजकुमारों, उनकी दुःखी प्रजा तथा सत्तासीन कट्टर ब्रिटिश राजनीतिक अधिकारियों के बीच अपना रास्ता निकालना आता था।

गाँधी जी की माँ पुतलीबाई अत्यधिक धार्मिक थीं और भोग-विलास में उनकी ज़्यादा रुचि नहीं थी। उनकी दिनचर्या घर और मन्दिर में बंटी हुई थी।

8वें वेतन के लिए कितना करना होगा इंतजार, कैसा रहेगा सैलरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने हाल ही में 8वें वेतन आयोग पर अपनी मुहर लगाई है। इसके लागू होने पर केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में भारी इजाफा होने की उम्मीद है। इसका लाभ पेंशनभोगियों को भी मिलेगा। अमूमन वेतन आयोग सैलरी और पेंशन में 15 से 30 फीसदी तक की वृद्धि की सिफारिश करते हैं। आइए जानते हैं कि 8वां वेतन लागू होने के बाद सैलरी स्ट्रक्चर कैसा होगा। साथ ही, केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बढ़ा हुआ पैसा कब से मिलेगा।

केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में कहा था कि 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 2025 खत्म होने तक तैयार कर ली जाएंगी और इन्हें 2026 की शुरुआत से लागू किया जा सकता है। अभी केंद्रीय कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग के तहत सैलरी मिल रही है, जिसका कार्यकाल 1 जनवरी 2026 को खत्म होने वाला है।

एक्सपर्ट का मानना है कि 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू होंगी। इसका मतलब है कि केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बढ़े हुए पैसे 1 जनवरी से मिलेंगे। अगर किसी कारणवश 8वें वेतन आयोग को लागू करने में कुछ देर होती है, तो सरकार 1 जनवरी से ही बढ़े हुए पैसे जोड़कर भुगतान करेगी यानी कर्मचारियों को एरियर मिलेगा।

7वें वेतन आयोग के तहत फिटमेंट फैक्टर 2.57 था। इससे केंद्रीय कर्मचारियों की न्यूनतम बेसिक सैलरी 7,000 रुपये से बढ़ाकर 18,000 रुपये हो गई थी। 8वें वेतन आयोग में अधिकतम फिटमेंट फैक्टर 2.86 होने की उम्मीद है। इस हिसाब से न्यूनतम बेसिक वेतन 51,480 रुपये तक बढ़ सकता है। ज्यादातर एक्सपर्ट का अनुमान है कि न्यूनतम बेसिक वेतन 41,000 से 51,480 रुपये महीना के बीच रह सकता है।

राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिश अपनाने के लिए बाध्य नहीं होती हैं। लेकिन, ज्यादातर राज्य सरकारें केंद्र के फैसले के बाद अपनी थोड़े-बहुत बदलाव के साथ सिफारिशें लागू करती हैं। मिसाल के लिए, महाराष्ट्र और तमिलनाडु ने 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों को बदलाव के साथ अपनाया था। ऐसे में 8वें वेतन आयोग की सिफारिश का लाभ कुछ बदलावों के साथ राज्यों के कर्मचारियों को भी मिलने की उम्मीद है।

17 करोड़ रुपये के ऑर्डर से इस शेयर ने पकड़ी रफ्तार, झटके में 7% चढ़ गया भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को आईटी इंफ्रा प्रोजेक्ट की परचेज और मेंटेनेंस के लिए मेसर्स नवोदय विद्यालय समिति से बड़ा ऑर्डर मिला है। ऑर्डर की वजह से रेलटेल के शेयर पर निवेशक टूट पड़े। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को रेलटेल के शेयर में 7 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई और भाव 376.90 रुपये पर पहुंच गया। जुलाई 2024 में शेयर 618 रुपये पर था, जो 52 हफ्ते का हाई है। मार्च 2024 में शेयर की कीमत 301.35 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई था। इस लिहाज से अभी शेयर रिकवरी मोड में नजर आ रहा है।

ऑर्डर की डिटेल- रेलटेल को नवोदय विद्यालय समिति से जो ऑर्डर मिला है, उसका मूल्य करों सहित 17 करोड़ रुपये से अधिक है। इसे पूरा करने की समयसीमा 27 जुलाई, 2025 निर्धारित है। इससे पहले भी रेलटेल को दो बड़े ऑर्डर मिले। एक की कीमत 78.43 करोड़ रुपये है। यह ऑर्डर भारत कोकिंग कोल से है। वहीं, अजमेर मंडल के निर्माण के लिए 46.79 करोड़ रुपये उत्तर पश्चिम रेलवे के हैं।

दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही में रेलटेल के EBITDA मार्जिन में गिरावट देखी गई, जो पिछले साल की समान तिमाही में 19.4% से गिरकर 15.8% हो गई।

चीनी का बढ़ेगा भाव! गन्ने का उत्पादन घटा, रिकवरी रेट भी न्यूनतम स्तर पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रतिकूल मौसम एवं बीमारी के चलते गन्ने के उत्पादन में गिरावट के साथ-साथ चीनी की रिकवरी दर में भी कमी देखी जा रही है। इससे चीनी उद्योग की चिंता बढ़ गई है। किसानों का नुकसान तय है। उपभोक्ताओं की जेब पर भी असर पड़ सकता है। रिकवरी का आशय गन्ने से चीनी निकलने की दर से है, जो फसल की गुणवत्ता, मौसम की स्थितियों एवं चीनी मिलों के शुरू होने के समय पर निर्भर करता है।

भारत में रिकवरी दर को दस प्रतिशत से ऊपर रहने पर बेहतर माना जाता है, किंतु इस बार कोई राज्य इसके आसपास भी नहीं पहुंचा है। राष्ट्रीय स्तर पर रिकवरी दर 8.81 प्रतिशत है। पिछले वर्ष इसी दौरान यह आंकड़ा 9.37 प्रतिशत था। साफ है इस बार अभी तक गन्ने से 0.56 प्रतिशत कम चीनी की प्राप्ति हो रही है।

इसे सामान्य भाषा में ऐसे समझा जा सकता है कि पिछले साल चीनी मिलों तक पहुंचने वाले गन्ने से प्रति क्विंटल 9.37 किलोग्राम चीनी निकलती थी। इस बार उतने ही गन्ने से मात्र 8.81 किलो चीनी निकल रही है। जबकि पिछले वर्ष की तुलना में गन्ने की कीमतें बढ़ी हैं। उत्तर प्रदेश में प्रति क्विंटल 20 रुपये की वृद्धि हो चुकी है।

परिवहन लागत और मजदूरी के साथ अन्य खर्चे भी बढ़े हैं, किंतु गन्ने से चीनी निकलने की मात्रा घट गई है। यह बड़ा संकट है। इसकी सीधी मार किसानों पर पड़ रही है। चीनी मिल संचालक किसानों के गन्ने को कमतर श्रेणी का बताकर मूल्य घटा रहे हैं। किसान लाचार हैं, क्योंकि 11 प्रतिशत तक रिकवरी वाली गन्ने की उन्नत प्रजाति 0238 तेजी से बीमारी की चपेट में आ रही है। इसका कोई विकल्प भी नहीं है।

जीएसटी के सभी पुराने बकाए को खत्म करने का मौका, ब्याज और जुर्माने से भी मिलेगी छूट

नई दिल्ली। आयकर की तरह सरकार जीएसटी संबंधित विवादों को भी खत्म करने का लगातार प्रयास कर रही है ताकि कारोबारियों को राहत मिल सके। इस प्रयास के तहत हाल ही में सरकार ने जीएसटी संबंधित सभी पुरानी डिमांड को खत्म करने का फैसला किया है। कारोबारियों को सिर्फ बकाए टैक्स का भुगतान करना होगा। सभी पुराने बकाए टैक्स भरने के लिए अगले साल 31 मार्च तक का समय दिया गया है। बकाए जीएसटी का भुगतान कर देने पर उन्हें टैक्स से जुड़े ब्याज और जुर्माने से पूरी तरह से छूट मिल जाएगी।

कैसे मिलेगी ब्याज और जुर्माने से छूट- जीएसटी विशेषज्ञ और चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) प्रवीण शर्मा ने बताया कि सरकार की इस स्कीम के तहत जीएसटी संबंधित कोई भी डिमांड अगर किसी कारोबारी को अपने पोर्टल पर दिख रहा है तो वह सिर्फ टैक्स की राशि को जमा कर जुर्माने व ब्याज दोनों से छूट पा सकता है।

मान लीजिए किसी कारोबारी पर वर्ष 2018-19 से टैक्स का बकाया है और उसने चुकता नहीं किया है तो साधारण रूप में कारोबारियों को उस बकाए टैक्स पर ब्याज भी देना होगा। देर से भरने पर जुर्माना भी लगेगा।

किसानों को जल्द मिलेगी 19वीं किस्त, इस दिन खाते में आएंगे 2000 रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर के करोड़ों किसान काफी समय से पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। उनका इंतजार अब जल्द खत्म होने वाला है। सरकार ने बता दिया है कि 19वीं किस्त के पैसे किसानों के खाते में किस दिन ट्रांसफर किए जाएंगे। आइए जानते हैं कि किसानों के अकाउंट में पैसे कब आएंगे और उन्हें योजना का लाभ उठाने के लिए क्या करना होगा।

किसानों को कब मिलेगी 19वीं किस्त- केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में बताया कि पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त 24 फरवरी 2025 को जारी होगी। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार से जारी करेंगे। यह रकम डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर मोड के जरिए सीधे किसानों के खाते में पहुंचेगी। इसका लाभ देश भर के करोड़ों किसानों को मिलेगा।

पीएम किसान योजना का लाभ उठाने के लिए e-KYC कराना जरूरी है। जल्द ई-केवाईसी नहीं कराने वाले किसानों की अगली किस्त के पैसे अटक सकते हैं। किसान तीन तरीकों से ई-केवाईसी करवा सकते हैं।

ओटीपी आधारित eKYC

बायोमेट्रिक आधारित eKYC

फेस ऑथेंटिकेशन आधारित eKYC

लाभार्थी लिस्ट में कैसे चेक करें नाम

सरकार पीएम किसान योजना के लाभार्थियों की लिस्ट जारी करती है। इससे पता चल जाता है कि किन किसानों को योजना का लाभ मिलेगा और किन्हें। आप नीचे दिए स्टेप बाय स्टेप प्रोसे लाभार्थी लिस्ट में अपना नाम चेक कर सकते हैं।

पीएम किसान की ऑफिशियल वेबसाइट (https://pmkisan.gov.in/) पर जाएं।

"Beneficiary Status" ऑप्शन सेलेक्ट करें।

आधार या फिर बैंक अकाउंट नंबर नंबर भरें।

अब "Get Data" को सेलेक्ट करें।

इस प्रोसेस को पूरा करने के बाद स्क्रीन पर आपको अपनी पूरी डिटेल्स दिख जाएगी। इसके जरिये आप चेक कर सकते हैं कि आपको पीएम किसान योजना का लाभ मिलेगा या नहीं।

पीएम किसान योजना क्या है- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत 1 दिसंबर 2018 को की थी। इसमें लाभार्थी किसानों को सालाना 6,000 रुपये की आर्थिक मदद मिलती है। यह रकम हर चार महीने में तीन किस्तों में मिलती है। हर किस्त में 2000 रुपये डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के माध्यम से सीधे किसानों के खाते में आते हैं।

आरबीआई के बूस्टर डोज का असर, शेयर बाजार में थमा गिरावट का तूफान; क्या अब ब्याज दरों में होगी कटौती?

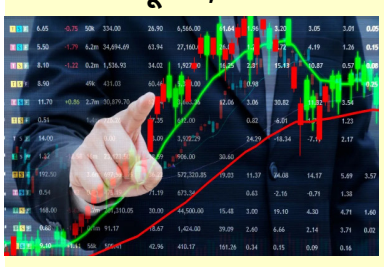

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों से जारी गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को शानदार तेजी के साथ बंद हुआ। इसकी वजह आरबीआई से मिले सकारात्मक संकेत हैं। दरअसल, आरबीआई ने बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए कुछ उपायों का एलान किया है। इससे फरवरी में नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद भी बढ़ गई है।

क्या ब्याज दरों में कटौती करेगा आरबीआई- निफ्टी 50 0.56 फीसदी बढ़कर 22,957.25 पर पहुंच गया, जबकि बीएसई सेंसेक्स 0.71 फीसदी बढ़कर 75,901.41 पर पहुंच गया। फाइनेंस सेक्टर के शेयरों 1.9 फीसदी और बैंकिंग शेयरों में 1.7 फीसदी की वृद्धि हुई। आरबीआई के लिक्विडिटी बढ़ाने के उपायों की बात करें, तो इसमें बॉन्ड खरीद और डॉलर/रुपया स्वैप शामिल हैं। इसके बारे में एनालिस्टों और ट्रेडर्स का कहना है कि यह फरवरी में ब्याज दरों में कटौती का अहम संकेत हो सकता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

बागली की अवैध भरमार बंदूकें, देवास के बारूद से करते थे वन्य जीवों का शिकार

देवास। जिले के दूरस्थ जंगली क्षेत्र भाटबर्डी में जयंती माता मंदिर के कच्चे रास्ते पर तेंदुए की खाल व नाखूनों के सौदे के लिए आए तीन शिकारियों को सतवास पुलिस ने मुखबिर की सूचना के बाद मंगलवार रात दबोच लिया। पूछताछ में इन्होंने अवैध हथियार बनाने वालों के नाम बताए।

इसके बाद पुलिस ने बागली के समीप पांजरिया गांव में दबिश दी। दोनों जगह से छह भरमार बंदूकें जब्त की गई, इनको बनाने का कच्चा सामान भी मिला। बारूद देवास के एक व्यक्ति द्वारा उपलब्ध करवाया जाता था जिससे वन जीवों का शिकार करके तस्करी की जाती थी।कुल पांच आरोपित गिरफ्तार किये जा चुके हैं और दो फरार हैं। अवैध हथियार बनाने में पिता-पुत्र भी शामिल थे। आरोपितों पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, विस्फोटक अधिनियम, आयुध अधिनियम व अन्य धाराओं में केस दर्ज कर पूछताछ की जा रही है।

ये आरोपित हुए गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोत ने बताया शिकारी मुंशीराम उर्फ पप्पू निवासी चंदूपुरा पठार हालमुकाम जोजकपुरा, रेदू उर्फ दुवाल सोलंकी निवासी नर्मदा सेमली, मल सिंह उर्फ मालू निवासी प्रेमगढ़ सहित अवैध हथियार बनाने वाले धर्मेंद्र भुसारिया निवासी खूबगांव, कुलदीप बछानिया निवासी पांजरिया को गिरफ्तार किया गया है। हथियार बनाने में कुलदीप का पिता रामनिवास बछानिया भी शामिल है। वहीं बारूद उपलब्ध करवाने वाले का नाम मुर्तजा है जो देवास का निवासी है। इन दोनों की तलाश की जा रही है।जिस तेंदुए की खाल मिली उसका शिकार देवास-खंडवा की सीमा क्षेत्र में

पुलिस सूत्रों के अनुसार जिस तेंदुए की खाल व कई नाखून शिकारियों से जब्त हुए हैं, उसका शिकार भी देवास-खंडवा जिले की सीमा क्षेत्र में करने की प्रारंभिक जानकारी सामने आई है। आरोपित मुंशीराम आदतन अपराधी है, उस पर पहले से करीब 8 प्रकरण दर्ज हैं।

कार को ऑयल टैंकर ने मारी टक्कर, कुंभ से आ रहीं तीन महिलाओं सहित ड्राइवर घायल

कटनी। हैदराबाद से प्रयागराज महाकुंभ स्नान करने के बाद वापस अपने घर लौट रहीं तीन महिलाओं की कार कुठला थाना क्षेत्र के जबलपुर बायपास में ऑयल टैंकर से टकरा गई। दुर्घटना में कार में सवार तीन महिलाओं सहित चालक को गंभीर चोट आई, जिनको पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

जानकारी के अनुसार हैदराबाद निवासी प्रवीणा पति रमेश बाबू 44 साल, शारदा पति घंगी रेड्डी 58 साल और नागारानी पति केपी रेड्डी कार से हैदराबाद से प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने गई थीं। प्रयागराज से गंगा स्नान के बाद वे वापिस कार से घर लौट रहीं थीं।कार हैदराबाद निवासी मो. आरिफ खान चला रहा था। उनकी कार बुधवार की दोपहर 3 बजे जैसे ही कुठला थाना के जबलपुर बायपास में इंद्रानगर पुल के पास पहुंची। रोड पर काम हो रहा था, इसलिए वाहन एक

ही रास्ते से आवाजाही हो रही थी। इसी दौरान कार की भिड़ंत सामने से आ रहे एक ऑयल टैंकर से हो गई।

दुर्घटना में चालक सहित तीनों महिलाओं को गंभीर चोट आई। घटना की जानकारी लगते ही कुठला थाना पुलिस व यातायात पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायल महिलाओं को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। चालक आरिफ कार में फंसा था। पुलिस ने जेसीबी की मदद से उसे बाहर निकालते हुए जिला अस्पताल भेजा।

एक्सीडेंट बाद लगा लंबा जाम

घटना के बाद एकांगी मार्ग होने से वाहनों की कतार लग गई। यातायात पुलिस ने कार को किनारे कराते हुए यातायात सामान्य कराया।

शेयर बाजार में निवेश के नाम पर मेडिकल कारोबारी से ठगे 89 लाख रुपये

बुरहानपुर। शेयर बाजार में निवेश के नाम पर शहर के एक मेडिकल कारोबारी से फिर 89 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है।

ठग गिरोह ने न्यू इंदिरा कालोनी निवासी मनीष नामदेव को पहले वाट्सएप ग्रुप में जोड़ा और फिर निवेश से लाखों का फायदा बता कर छह बार में अलग-अलग कंपनियों के खाते में राशि डलवा ली।गत पांच जनवरी को जब ठगों द्वारा दिए एक कस्टमर केयर से लेकर अन्य मोबाइल नंबर बंद हो गए, तब व्यापारी को अपने साथ ठगी होने का पता चला।

शिकायत के आधार पर लालबाग थाना पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ ठगी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सूत्रों के अनुसार पुलिस की साइबर सेल ने ठगी गई कुछ राशि को फ्रीज कराया है, जबकि पूर्व में जमा कराई गई राशि खातों से निकाली जा चुकी है। पुलिस ठगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

इस तरह खातों में डलवाई राशि

पुलिस और पीड़ित मनीष के अनुसार नवंबर 2024 में अज्ञात ठग ने उन्हें ए-8 एसएमसी सेकंड फेज प्राफिट प्लान नाम के वाट्सएप ग्रुप में जोड़ा। इस ग्रुप में शेयर बाजार की जानकारी होती थी।

कुछ सदस्यों ने शेयर से बड़ा लाभ होने की जानकारी दी। दिसंबर में मनीष को भी निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया।

ठगों ने 13 दिसंबर को महाराष्ट्र की आदित्य इंटरप्राइजेज के खाते में 15.10 लाख, 23 दिसंबर को मां भांडेगरनी ट्रेडर्स के खाते में 17 लाख, 26 दिसंबर को साद ग्लोबल गारमेंट प्रा.लि. के खाते में 10 लाख, दो जनवरी को अरुष कंस्ट्रक्शन एंड मटेरियल के खाते में 20 लाख और तीन जनवरी को रेणुका इंटरप्राइजेज के खाते में 10 लाख रुपये डलवाए थे।पांच जनवरी को मनीष ने लाभ-हानि का पता लगाने का प्रयास किया तो एप्लीकेशन बंद मिली।

रतलाम शहर में कारों के ऊपर बैठकर स्टंट कर रहे थे युवक, पुलिस ने लगा दी क्लास

रतलाम। रतलाम शहर में मंगलवार दोपहर चार-पांच कारों कुछ युवक स्टंट करते हुए निकले। किसी ने इसकी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर पुलिस से कार्रवाई की मांग की।

इस वीडियो में तीन-चार कारों में युवक छतों पर बैठे तथा कारों की खिडकियों पर बैठकर शोर-शराबा करते हुए जा रहे थे। इस दौरान कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी और राहगीरों में भय का वातावरण बन गया।वीडियो सामने आने के बाद एसपी अमित कुमार के निर्देश पर सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया आबकारी कंपाऊंड पहुंचे और कार सवारों की पहचान कर चालानी कार्रवाई की। इस दौरान उन्होंने स्टंट करने वाले युवकों की क्लास भी ली। पुलिस को देख सभी माफी मांगने लगे।

इधर... कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

रतलाम जिले तेज गति व लापरवाही से वाहन चलाने वाले हादसों का कारण बन रहे है। सैलाना रोड पर मेडिकल कालेज, बंजली चौराहा व अन्य स्थानों पर कई चालक तेज गति से वाहन चलाते रहते है. इसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं।

26 व 27 जनवरी की दरमियानी रात तेजगति से जा रहे चारपहिया वाहन ने स्कूटर को टक्कर मार दी। इससे स्कूटर पर सवार वर्षीय 26 वर्षीय विपुल मूणत निवासी रामगढ़ गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका गुजरात के अहमदाबाद स्थित एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया जानकारी के अनुसार एक ज्वेलर्स दुकान पर कैशियर का काम करने वाले विपुल मूणत सैलाना रोड स्थित एक मैरिज गार्डन में आयोजित शादी समारोह में शामिल होकर स्कूटर से घर लौट रहे थे। तभी बरबड़ तिराहे के पास तेजगति से जा रहे चारपहिया वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

उनके सिर, चेहरे पर गंभीर चोट आई और कंधे में फैक्चर हो गया। उनके सिर में 38 टांके आए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद स्वजन उन्हें इलाज के लिए अहमदाबाद ले गए। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है, लेकिन दो दिन बाद भी चालक का पता नहीं चल पाया है।

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यहां पहले भी कई हादसे हो चुके है। स्वजन ने पुलिस से मांग की है कि मामले में त्वरित कार्रवाई कर आरोपित चालक को पकड़ा जाए।

सांसद श्री लालवानी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

इंदौर। इंदौर शहर में यातायात को सुगम और सुव्यवस्थित बनाने के लिए यातायात सुधार की मुहिम लगातार जारी है। इस मुहिम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिला प्रशासन, नगर निगम, इंदौर विकास प्राधिकरण, एआईसीटीएसएल, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों के संयुक्त प्रयासों से सड़कों एवं चौराहों के तकनीकी सुधार, सौन्दर्यीकरण, सड़कों एवं फुटपाथों से अतिक्रमण हटाकर उन्हें बाधा मुक्ति, बैसमेंट को पार्किंग में परिवर्तित करने सहित अन्य गतिविधियां जारी है। इसी अभियान को गति देने के लिए आज सांसद श्री शंकर लालवानी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक रेसीडेंसी कोठी में सम्पन्न हुई। बैठक में विधायक श्री मधु वर्मा, श्री गोलू शुक्ला, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, डीसीपी ट्रैफिक श्री अरविंद तिवारी, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, इंदौर विकास प्राधिकरण के

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और यातायात विशेषज्ञ मौजूद थे।

बैठक में सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि हमें ऐसा सुगम यातायात बनाने की आवश्यकता है जो आगामी 50 वर्षों तक कायम रहे, इसके लिए सभी संबंधित विभागों को सुनियोजित यातायात के लिए अभी से प्रयास करने होंगे। शहर में अच्छे लेफ्ट टर्न बने, सुव्यवस्थित ट्राफिक सिग्नल के साथ कैमरे लगे हो। यातायात मानक के अनुसार स्पीड़ ब्रेकर हो। नियोजित तरीके से रोटरी बनायी जाये। यातायात के नियमों का पालन करने के लिए लोगों को जागरूक किया जाए। यातायात विभाग समय-समय पर स्कूल और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम चलायें, ताकि बच्चे से लेकर युवा भी यातायात के नियमों का ठीक प्रकार से पालन करें।

बैठक में श्री लालवानी ने कहा कि यदि गलत सड़क, पुल-पुलिया निर्माण, स्पीड ब्रेकर, संकेतक आदि की वजह से वाहन चालक या पैदल यात्री हादसे का शिकार होता है तो उसके लिए ठेकेदार को जिम्मेदार माना जाए और उसके खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाए। ट्राफिक पुलिस द्वारा स्पीडोमीटर से जाँच में यदि कोई वाहन चालक निर्धारित गति से अधिक गति से वाहन चलाते पाये जाने पर संबंधित वाहन चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शराब पीकर तेज गति से वाहन चलाने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस सख्ती बरते, इससे दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती है। यातायात विभाग भी चौराहे पर यातायात को सुगम बनाने में विशेष ध्यान दे।

बैठक में सांसद श्री लालवानी ने कहा कि शहर में अधिकांश चौराहों पर ट्राफिक सिग्नल के साथ-साथ कैमरे भी लगे हुए हैं, जिससे यातायात सुगम बना हुआ है। अभी भी कुछ चौराहों पर कैमरे लगना बाकी है। इसके लिए सांसद निधि से एक करोड़ रुपये की राशि ट्राफिक पुलिस को दी जाएगी। श्री लालवानी ने आईडीए सहित नगर निगम, लोक निर्माण विभाग और यातायात विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि एक सप्ताह के भीतर बताये कि शहर में कितने लेफ्ट टर्न, डिवाइडर, ट्राफिक सिग्नल आदि बनना है, उसकी रिपोर्ट दें। लेफ्ट टर्न निर्माण में यदि कोई तकनीकी या अतिक्रमण संबंधी बाधा आ रही है, तो उसका निराकरण संबंधित विभागों के साथ समन्वय के साथ करें। अरविन्दो चौराहे से उज्जैन की ओर जाने वाले मार्ग पर बार-बार लगने वाले ट्राफिक जाम का निराकरण किया जाए।

बैठक में विधायक श्री मधु वर्मा ने कहा कि राजीव गाँधी चौराहा और राजेन्द्र नगर चौराहे पर बसों के खड़े रहने से अन्य वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार जाम की स्थिति भी बन जाती है, उसका निराकरण किया जाए। पालदा से आरटीओ की ओर जाने वाले मार्ग पर निजी बसों की अवैध पार्किंग से बार-बार यातायात बाधित होता है। मांगलिया टोल नाके पर अवैध अतिक्रमण से अन्य वाहन चालक परेशान होते है। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि एबी रोड़ पर फ्लाईओव्हर बनना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की बनायी व्यवस्था से अधिक गतिशील होंगे विकास कार्य

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में प्रत्येक संभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों को समन्वय के लिए प्रभार सौंपा है। इंदौर संभाग के लिए नियुक्त अतिरिक्त मुख्य सचिव से श्री अनुपम राजन ने आज इंदौर में संभागीय स्तर की बैठक में कहा कि इस व्यवस्था से विकास कार्यों में बेहतर समन्वय होगा और शासन स्तर पर लंबित मामलों के निराकरण में तेज़ी आएगी। श्री राजन ने आज इंदौर संभाग में जनप्रतिनिधियों और सभी जिला कलेक्टरों और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद इंदौर श्री शंकर लालवानी, सांसद झाबुआ श्रीमती अनीता नागरसिंह चौहान, विधायक श्री सुश्री उषा ठाकुर, श्री महेन्द्र हार्डिया, श्री रमेश मेंदोला, श्री मधु वर्मा, श्री गोलू शुक्ला, श्री राजकुमार मेव, श्री कालूसिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझाव नोट किए गए और इस संबंध में आगे कार्रवाई के लिए कहा गया।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि इंदौर में सड़क सुरक्षा यातायात प्रबंधन के संबंध में पूर्व में दिए गए सुझावों पर तेज़ी से अमल किया जाए। इंदौर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के साथ साथ इंदौर सांवेर उज्जैन के विस्तारीकरण का कार्य प्रारंभ किया जाए। विधानसभा क्षेत्र सांवेर के ग्राम डकाच्या और चंद्रावतीगंज में स्नातक स्तर के महाविद्यालय खोलने तथा इंदौर में कृषि विश्वविद्यालय आरंभ करने के सम्बंध में भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि एन.एच.ए.आई. के द्वारा 103 करोड़ की लागत से ए.बी. रोड बाईपास झलारिया और अर्जुन बड़ौदा पर निर्मित की जा रही सड़क एवं पुल का कार्य धीमी गति से चल रहा है। भारी एवं सुगम यातायात के लिए इस निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत 188 करोड़ रुपये लागत से 205 गाँव में नल जल योजना स्वीकृत की गई है, जिसमें पेयजल टंकी और सम्पवेल का निर्माण किया गया है। विभागीय लापरवाही के कारण ग्रामीण जनों को पेयजल सुविधा नहीं मिल पा रही है। यह विसंगति तत्काल दूर की जाए। महू विधायक सुश्री उषा ठाकुर और धरमपुरी विधायक श्री कालूसिंह ठाकुर ने भी जल जीवन मिशन के कार्यों में भी सुधार की आवश्यकता जतायी। उन्होंने कहा कि अधूरी योजनाओं के कारण ग्रामीणों को सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। विधायक से मधुर वर्मा ने उनके क्षेत्र के 32 ग्रामों में पेयज़ल की सुगम आपूर्ति की आवश्यकता जतायी। सांसद श्री शंकर लालवानी ने इंदौर एयरपोर्ट के विस्तार के लिए अतिरिक्त भूमि आवंटन की प्रक्रिया की आवश्यकता जतायी। उन्होंने इंदौर-देपालपुर 6 लेन बनाने में आ रही कमियों को शीघ्र पूरा कर पूरा करने की आवश्यकता जतायी। उन्होंने इंदौर-खंडवा रेल लाइन के निर्माण में आवश्यक भूमि प्रदान करने में वन विभाग की एन.ओ.सी. शीघ्र प्रदान करने की आवश्यकता भी जतायी। विधायक श्री गोलू शुक्ला ने बैठक में मधुमिलन चौराहे में व्यवस्था बनाने का आग्रह किया।

युवा संगम - दिव्यांगजनों के संग

इंदौर। इंदौर जिले में दिव्यांगजनों को निजी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग दिये जाने की पहल पर आज जिला प्रशासन इंदौर द्वारा सशक्त दिव्यांग रोजगार पोर्टल के माध्यम से प्रेस्टिज इंस्टीट्यूट मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च सेंटर में केरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। बडी संख्या में युवा दिव्यांगजन सत्र में उपस्थित हुए। दिव्यांगजनों को नई तकनीक आर्टिफिशियल अंटेलिजेंस से अवगत कराया गया। सत्र में काउंसलर सुश्री प्रियंका तिवारी रोजगार परामर्शदाता द्वारा बताया गया कि दिव्यांगजन निजी क्षेत्रों में रोजगार के लिए आगे आए। दिव्यांगजनों में अनेको योग्यता और कार्य-क्षमता होती है, इन कार्यक्षमताओं को आम लोगों के सामने लाए। चाणक्य इंस्टीट्यूट के काउंसलर श्री अरशाद खान द्वारा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए दिव्यांगजनों को निःशुल्क कोचिंग जिला प्रशासन सामाजिक न्याय विभाग के सहयोग से दी जायेगी, जिसका लाभ लेने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर संचालक प्रेस्टिज कॉलेज श्री सुब्रमैनियन अय्यर द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किये गए। भारत के पहले बिना हाथ कार चलाने वाले लाइसेंस होल्डर लिम्का रिकार्डधारी श्री विक्रम अग्निहोत्री द्वारा सत्र में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में निजी कम्पनियों में रोजगार स्वरोजगार की उपलब्धता पर प्रकाश डाला। रेडडीज फॉउण्डेशन की सुश्री स्वाती तिवारी द्वारा निजी इकाई में रोजगार दिलाने तथा फाउण्डेशन द्वारा दो माह तक दिव्यांगजनों को प्रशिक्षण हेतु आवासीय सुविधा के बारे में बताया गया। काउंसलर शैफुददीन शेख द्वारा भी दिव्यांगजनों को मोटिवेट किया गया। करियर काउंसलिंग सत्र में उपस्थित काउंसलरों का स्वागत संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग श्रीमति सुचिता तिर्की बेक द्वारा किया गया।

लोकतंत्र के लोक उत्सव भारत पर्व पर भक्ति गायन के गीत तथा मालवी लोकनृत्य की रंगारंग प्रस्तुति

इंदौर। गणतंत्र दिवस की संध्या पर गांधी हाल में लोकतंत्र के लोक उत्सव भारत पर्व का आयोजन किया गया। इसमें भक्ति गायन एवं मालवी लोकनृत्य की रंगारंग प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम में सर्वप्रथम उज्जैन की डॉ. प्रीति देओले एवं उनके दल के सदस्यों द्वारा कबीर, तुलसीदास, नानक, मीरा के भक्ति गायन की प्रस्तुति दी गयी। इसके पश्चात उज्जैन की सुश्री स्वाति उखले एवं सदस्यों द्वारा मटकी एवं पनिहारी, मालवी लोकनृत्य की सामूहिक प्रस्तुति दी गयी। जिसका उपस्थित संगीत और कला प्रेमी जनता के द्वारा आनंद लिया गया। इस अवसर पर संविधान पर केन्द्रित 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित चित्र प्रदर्शनी भी जनसंपर्क विभाग द्वारा लगायी गयी।

एमएसएमई के प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए रैम्प योजना के तहत एनएसई कार्यशाला आयोजित

इंदौर। इंदौर और उज्जैन संभाग के लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के प्रदर्शन में सुधार लाने के उद्देश्य से रेजिंग एंड एक्सलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) योजना के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन एससेन्टिया होटल पिपलियाहना इंदौर में किया गया। इस कार्यशाला में संभाग के विभिन्न उद्योग संघों और उद्यमियों ने सक्रिय भागीदारी की।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों को एनएसई एसएमई प्लेटफार्म पर पंजीकरण कर अपने उद्योगों के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने और सेबी गाइडलाइन्स की जानकारी प्रदान करना था। साथ ही कार्यक्रम में ज़ीरो डिफेक्ट ज़ीरो इफेक्ट (जेड) योजना, लीन मैन्युफैक्चरिंग प्रतिस्पर्धात्मकता योजना (एलएमसीएस), बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), और व्यापार प्राप्य इलेक्ट्रॉनिक डिस्काउंटिंग सिस्टम (टीआरईडीएस) पर भी

विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यशाला की शुरुआत में रैम्प योजना की जानकारी दी गई। इसके बाद स्टेट नोडल ऑफिसर रैम्प श्री अनिल थागले ने एनएसई के माध्यम से उद्योगों को वित्तीय संसाधन जुटाने के तरीकों पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में उन्होंने रैम्प योजना के उद्देश्य, मध्य प्रदेश सरकार की भूमिका और स्थानीय उद्योगों के लिए उपलब्ध संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

सीनियर वाइस प्रेसीडेंट एनएसई डॉ. हरीश आहूजा ने स्टॉक लिस्टिंग प्रक्रिया की जानकारी दी और बताया कि लगभग 12 उद्योगों ने एनएसई लिस्टिंग के लिए अपनी रुचि व्यक्त की है। उन्होंने कहा, एसएमई इकोसिस्टम को मजबूत करने से न केवल यह लार्ज-स्केल इंडस्ट्रीज को आकर्षित करता है, बल्कि उद्योगों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धात्मक भी बनाता है। कार्यक्रम में उद्योग प्रतिनिधियों ने विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे और विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की। श्री रंजीत राजोरा (स्वस्तिक इंवेस्टमार्ट) और श्री निलेश राठी (एमडी, सिस्टांगो टेक्नोलॉजी लिमिटेड) जैसे प्रबुद्ध वक्ताओं ने एनएसई लिस्टिंग के अनुभव साझा किए।

बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर आयोजित सत्र का संचालन डॉ. अजय चौबे ने किया। उन्होंने पेटेंट, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, और डिज़ाइन से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी दी। साथ ही, उद्योगपतियों को बौद्धिक संपदा संरक्षण के महत्व को समझाते हुए कहा कि यह उनके उत्पाद और सेवाओं को कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है।

कार्यशाला में बड़ी संख्या में उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया और इसे अत्यंत उपयोगी बताया। आयोजकों का मानना है कि ऐसे कार्यक्रम स्थानीय एमएसएमई को उनके व्यवसाय के विस्तार और प्रदर्शन को बेहतर बनाने में सहायता करेंगे।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

उज्जैन में मेडिकल पार्क में निवेश के लिये किया आमंत्रित, टोक्यो मेडिकल डिवाइस निर्माताओं से हुई बैठक

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने अपने जापान दौरे के दूसरे दिन टोक्यो में एएनडी मेडिकल कम्पनी के निदेशक श्री डाइकी अराई से मुलाकात कर मध्यप्रदेश में चिकित्सा उपकरण निर्माण के अवसरों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में विकसित किये जा रहे 75 एकड़ के मेडिकल एवं फार्मास्यूटिकल पार्क को वैश्विक निवेशकों के लिये एक बेस्ट डेस्टिनेशन बताया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश मेडिकल एवं फार्मास्यूटिकल मेन्यूफेक्चरिंग के क्षेत्र में नये हब के रूप में विकसित हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश के लिये आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार औद्योगिक इकाईयों को रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध करा

रही है। उन्होंने इस पार्क को भारत के तेजी से विकसित हो रहे हेल्थ केयर और मेडिकल डिवाइस सेक्टर का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बताया। यहाँ उन्नत बुनियादी सुविधाएँ, राज्य सरकार द्वारा दी जा रही प्रोत्साहन योजनाएं निवेशकों के लिये विशेष अवसर उपलब्ध है। डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश स्वास्थ्य सेवा, मेडिकल उपकरण निर्माण, फार्मास्यूटिकल उत्पादन के क्षेत्र में निवेश को आमंत्रित करते हुए आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उनके व्यापार को सुगम बनाने के लिये हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में रियायती दरों पर भूमि की उपलब्धता, मेडिकल डिवाइस, बायोटेक और फार्मा कम्पनियों के लिये विशेष प्रोत्साहन योजना है, बेहतर लॉजिस्टिक और कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं मध्यप्रदेश में ज्यादा से ज्यादा निवेश को आकर्षित करते है।

एएंडडी मेडिकल के निदेशक श्री डाइकी अराई ने मध्यप्रदेश में राज्य में अपनी निर्माण इकाई स्थापित करने में विशेष रूचि दिखाते हुए कहा कि वे इस वर्ष के अंत तक इसे शुरू करने की बात की। उल्लेखनीय है कि जापान की एएंडडी मेडिकल कम्पनी वैश्विक स्तर पर चिकित्सा उपकरण और स्वास्थ्य निगरानी उत्पादों का उत्पादन करती है।

व्यंग्यकार मुकेश जोशी की धर्मपत्नी वन्दना जोशी का श्री जी शरण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शोक संवेदना व्यक्त की

उज्जैन। व्यंग्यकार / पत्रकार मुकेश जोशी की धर्मपत्नी श्रीमती वन्दना जोशी का गत दिवस श्रीजी शरण हो गया। उनकी प्रस्थान यात्रा में बड़ी तादाद में शोकाकुल समाज सम्मिलित हुआ।

चक्रतीर्थ पर आचार्य शैलेन्द्र पाराशर की अध्यक्षता में शोकसभा आयोजित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री जोशी से मोबाइल पर शोक संवेदना व्यक्त की। श्रद्धांजलि प्रकट करने वालों में महन्त राजेन्द्र भारती, प. राजशेखर व्यास, डॉ केदार शुक्ल, राजेन्द्र शर्मा गुरु, प्रकाश चित्तौड़ा, डॉ पिलकेन्द्र अरोरा, डॉ प्रकाश रघुवंशी, राजेशसिंह कुशवाह, कीर्ति राणा, ललित उपमन्यु, पं. ईश्वर शर्मा संदीप कुलश्रेष्ठ, नरेंद्रसिंह अकेला, विनोद सिंह, सुरेश मोढ़, सुरेश विजयवर्गीय, चन्द्रशेखर वशिष्ठ, कवि अशोक भाटी, दिनेश दिग्गज, श्रीराम दवे, रमेशचन्द्र शर्मा, शशांक दुबे, स्वामी मुस्कुराके, प्रेम पथिक, सुरेन्द्र सर्किट, दिनेश विजयवर्गीय, टेपा मनीष शर्मा, योगेश शर्मा चुन्नू, डॉ हरीश कुमार सिंह, बी के शर्मा, डॉ सन्तोष पंड्या, डॉ संदीप नाडकर्णी, आचार्य राघवकीर्ति, पं. कुशल भट्ट, पं. विनोद रावल, पं. महेश पंड्या, पं. विनोद पंड्या, पं. प्रबोध पंड्या, सुनील पंड्या, पं. रामेश्वर जोशी, अरविन्द जोशी, अमितोज भार्गव, संजय कौशल, आर एस सोनी, पं. नरेन्द्र व्यास, आर एस शर्मा, के एस राजपूत, प्रदीप बदनोरे, एन के राय, एस एस शर्मा, गिरीश शर्मा, बी एल बागोरा, नरेन्द्र मालवीय, सुरेन्द्र मालवीय, एस सी शर्मा, अशोक बोहरा, सन्तोष सांकलिया, डॉ विदित खंडेलवाल, डॉ राहुल नागर, डॉ सुशील खंडेलवाल, औदीच्य ब्राह्मण समाज के प. उमाशंकर भट्ट, उद्धव जोशी, पुरुषोत्तम जोशी, प्रेमशंकर पण्ड्या, प्रवीण ठाकुर, के के ठक्कर, हेमेन्द्र द्विवेदी, विनोद शर्मा, केशव पण्ड्या, श्याम मेहता, श्याम आचार्य, सन्तोष त्रिवेदी, शरद त्रिवेदी, चेतन जोशी, शैलेन्द्र भट्ट, पंकज जोशी, शैलेष दुबे, तरूण उपाध्याय, मुकेश व्यास, शैलेन्द्र उपाध्याय, मालवेंद्र बदेका, सतीश मेहता, दिलीप मेहता, सुरेश व्यास, पं. प्रभाशंकर शुक्ला, अश्विन व्यास, विष्णु ठक्कर, चंद्रशेखर जोशी, प्रदीप व्यास, ओ पी व्यास, महेश व्यास, संजीव आचार्य, मनोज आचार्य, श्याम शर्मा, रवि शर्मा, रामकृष्ण मेहता, अभिभाषकगण पं. योगेश व्यास, सुभाष गौर, पं. राजेश जोशी, पं. कैलाश नागर, धीरज गौभुज, शंकरसिंह सूर्यवंशी, पवन गरवाल, रामचन्द्र गिरि, शिक्षाविद वरूण गुप्ता, डॉ सुभाष मण्डलोई, डॉ योगेश कुल्मी, डॉ राजेश पण्ड्या, डॉ सीके पाटिल, डॉ संजय वर्मा, डॉ राजेन्द्र भूतड़ा, पंकज चांदोरकर, प्रवीण देवलेकर, कल्याण शिवहरे, जी एल परमार, याज्ञवल्क्य दुबे, अनिल वैष्णव, बी एस भार्गव, गोपाल काबरा, लोकेन्द्र शास्त्री, नीलेश जोशी, तुलसी खत्री, संजय शर्मा, संजय जैन, संजय गुप्ता, पं. संचित शर्मा, रामगोपाल स्वर्णकार आदि।

माधव कॉलेज में शास्त्री स्वामी जीवन आनंददास चेयर स्थापित

उज्जैन। विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय माधव महाविद्यालय में नवाचार किये जा रहे हैं। इसी क्रम में स्वामी नारायण सम्प्रदाय वड़तालधाम के संत शास्त्री स्वामी जीवनआनंददास चेयर की स्थापना की गई है। चेयर की संरक्षक प्राचार्य प्रो.कल्पना वीरेंद्र सिंह रहेंगी।एकनाथ भगत को चेयर का संस्थापक बनाया गया है। निदेशक प्रो. अल्पना उपाध्याय होंगी। शुभारंभ कार्यक्रम में प्रो कल्पना वीरेंद्र सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए जीवन मूल्यों से जोड़ने का काम इस चेयर के माध्यम से किया जाएगा।

कोलकाता में हुई अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की द्वितीय राष्ट्रीय बैठक

उज्जैन। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की द्वितीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक कोलकाता में संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारी के अलावा उज्जैन मध्यप्रदेश सहित 10 राज्यों के पदाधिकारी ने भाग लिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजू सरावगी ने आगामी कार्यों की रूपरेखा बताई। राष्ट्रीय सचिव निशा मोदी ने पिछले 1 वर्ष में हुए सभी कार्यों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि पिछले 1 वर्ष में देशभर में 98 नेत्रदान, 6 देहदान और लगभग एक करोड रुपए से अधिक के विभिन्न सेवा कार्य संपन्न किए गए। लगभग 122 हरित क्षेत्र गठित कर पौधारोपण किया गया। 200 सिलाई प्रशिक्षण केंद्र खोले गए और कई महिलाओं को रोजगार दिया गया। इस अवसर पर सभी प्रदेशों की मिठाई की प्रदर्शनी लगाई गई। बैठक में मध्य प्रदेश की राष्ट्रीय अंचल प्रमुख सुमन मूंदड़ा, राष्ट्रीय बाल विकास प्रमुख इंदु गर्ग, अंशु गुप्ता, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष आशा कोठारी, निवर्तमान अध्यक्ष माया सिंघल व प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमारी बागड़ी उपस्थित रहे।

लाला लाजपत राय जैसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मरा नहीं करते बल्कि अमर हो जाते हैं–सुधीर गोयल

उज्जैन। श्री अग्रवाल जैसीस के अध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल ने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शेरे पंजाब लाला लाजपत राय जयंती समारोह 28 जनवरी संध्या 7-30 बजे अग्रवाल धर्मशाला गोला मंडी पर आयोजित किया गया। आपने बताया कि यह समारोह प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। समारोह के मुख्य अतिथि एवं वक्ता सेवाधाम आश्रम के संस्थापक सुधीर भाई गोयल थे। विशेष अतिथि भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल एवं मातृछाया के प्रभारी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुराग जैन थे। लाल जी की तस्वीर पर माल्यार्पण पूजन आरती कर राष्ट्रगीत वंदे मातरम से कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। मुख्य अतिथि सुधीर भाई ने कहा कि लाला लाजपत राय जैसे लोग मरा नहीं करते बल्कि अमर हो जाते हैं। संजय अग्रवाल ने बोलते हुए कहा कि लाल जी ने कहा था मेरे शरीर पर पड़ने वाली एक-एक लाठी ब्रिटिश हुकूमत के ताबूत पर अंतिम कील साबित होगी। अनुराग जैन ने सेवा कार्यों का महत्व बदलते हुए कहा कि लाला लाजपत राय क्रांतिकारी के साथ-साथ समाजसेवी भी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अग्रवाल पंचायत न्यास के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने लाल जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके बलिदान के बाद चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों ने लाल जी की हत्या का बदला लिया और उनकी शहादत के बाद देश में क्रांति की लहर दौड़ गई और अंततः अंग्रेजों को भारत छोड़कर भागना पड़ा। कार्यक्रम का संचालन प्रतीक अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले वरुण गुप्ता विक्रम यूनिवर्सिटी मेंबर मनोनीत होने पर एवं प्रीति गोयल महिला बाल विकास समिति सदस्य मनोनीत होने पर, अनीश चौधरी चार्टर्ड बोर्ड मेंबर बनाए जाने पर एवं संजय अग्रवाल के भाजपा अध्यक्ष बनने पर इनका शाल श्रीफल से अभिनंदन किया गया। लाला लाजपत राय जयंती समारोह वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत से प्रारंभ किया गया। स्वागत भाषण जयकिशन अग्रवाल ने दिया। आभार संजय अग्रवाल सीए ने माना। इस अवसर पर संस्था के जगदीश गोयल, पूर्व ट्रस्टी सुरेश गोयल, ट्रस्टी दीपक मित्तल, कोषाध्यक्ष रवि बंसल, ट्रस्टी मधुर गर्ग, ट्रस्टी गोपाल अग्रवाल, पार्षद अंशु अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अजय गर्ग, मनोहर गर्ग, जगदीश अग्रवाल रोडलाइंस, मंडी व्यापारी अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल, अग्रवाल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष आयुष अग्रवाल, अग्रवाल महिला जैसीस अध्यक्ष संध्या अग्रवाल, शकुंतला अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, नीलम मित्तल आदि।

विज्ञान के विद्यार्थियों को सदैव प्रयोग कर सीखना चाहिए, -कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय में आइडेन्टिफिकेशन, कलेक्शन एंड प्रिजर्वेशन ऑफ इंसेक्ट विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ।

विक्रम विश्वविद्यालय में प्राणिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला एवं जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान मे आइडेंटीफिकेशन, कलेक्शन एंड प्रिजर्वेशन ऑफ इंसेक्ट विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज की उपस्थिति में इस कार्यशाला का उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ सलिल सिंह ने स्वागत भाषण दिया। जेड एस आई के वैज्ञानिक डॉ पी एस भटनागर ने जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के मूल उद्देश्यों पर प्रकाश डाला एवं वर्गीकरण के महत्व को विस्तार से समझाया।

आयोजन में अध्यक्षीय उद्बबोधन देते हुए विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज ने कहा कि जिस प्रकार रसायन शास्त्र के विद्यार्थी के लिए लैब से जुड़ना आवश्यक हैं, वनस्पति विज्ञान के विद्यार्थी का वन और उपवन से जुड़ना आवश्यक है उसी प्रकार प्राणिकी के विद्यार्थी का जीव जगत से जुड़ना आवश्यक हैं तभी वो अपने विषय की जडो तक पहुंच पाएगा। इस अवसर पर जेड एस आई के वैज्ञानिक डॉ संदीप कुशवाह ने कीटों के संग्रह, पहचान आदि विषयों पर प्रकाश डाला। जेड एस आई के वैज्ञानिकों द्वारा विद्यार्थियों को फील्ड में ले जा कर इंसेक्ट आइडेंटीफिकेशन एवं कलेक्शन भी करवाया गया। इस अवसर पर प्राणिकी एवं जैव-प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला, वनस्पति अध्ययनशाला एवं पर्यावरण प्रबंधन अध्ययनशाला के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ स्मिता सोलंकी ने किया एवं आभार डॉ संतोष कुमार ठाकुर ने माना।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com